

449

16/06/03

1000x6 + 200x8 = 6040.00

धनुराम गिरा मोटेलाल

कुमी कार्ड पाली

कटकोरा किराया

आर्यनकोल लेनी फिक्शन प्रो लिठ व्हाल

लिवरप्रसाद 8/0 हासराभ कुमी सारु कमनिगरवेकरा

तहल कटकोरा लिठ व्हाल

शीलसराभ 80 कौपीराभ कौपीराभ व्हाल

कौपीराभ 68000/- 83



Signature

हासराभ विल कौपीराभ

कौपीराभ कौपीराभ

कौपीराभ कौपीराभ

6 JUN 2003

कौपीराभ कौपीराभ

कौपीराभ कौपीराभ

Signature

1. मुद्रांक प्रति के कौपीराभ 5/10 = 00
2. कौपीराभ के कौपीराभ 680 = 00
3. कौपीराभ के कौपीराभ 255 = 00
4. कौपीराभ के कौपीराभ 5 = 00
5. कौपीराभ के कौपीराभ 6040 = 00

Signature

21/06/03



दिनांक :-

: 92 :

यह कि अन्य भागों में जैसे कि रजम की आवश्यकता होने के कारण हम, अपनी उपरिभोगी जायदाद जिसका मूल हम स्वतः मालिक है तथा हमारे कब्जे में है । उपरोक्त जेता के पास चिकी कर आने में ही उन्हें दखल कब्जा सौम दिया । यह जायदाद किसी के बंध, बक्सल, - हस्तांतरित, वान, बंधक, रहन-गहन नहीं है । यदि भाविष्य में किसी के उजरदारों से उक्त जायदाद कब्जे से निकल जावेगी उस दशा में तथा हमारे द्वारा निष्पादित दस्तविज में स्टांभ अधिनियम की धारा 27 के तहत शासन के नियम के विपरीत किसी भी प्रकार का कोई स्थल जो खियाया गया होगा तो उसकी समस्त जिम्मेदारी विक्रेता एवं क्रेता पर होगी । खियायो के समझा अपने खोश ब्याबा के साथ और नशा गाने कि सब्जे और किसी के दबाव के बिना, पुन, मगझकर अपना हस्ताक्षर किमे ताकि सनद रहे और समय पर काम आये ।

॥ विक्रेता - ध्याकूराम ॥ ॥ वि. किष्णु राम ॥ ॥ वि. भरतलाल ॥ ॥ के. विष्णु प्रसाद

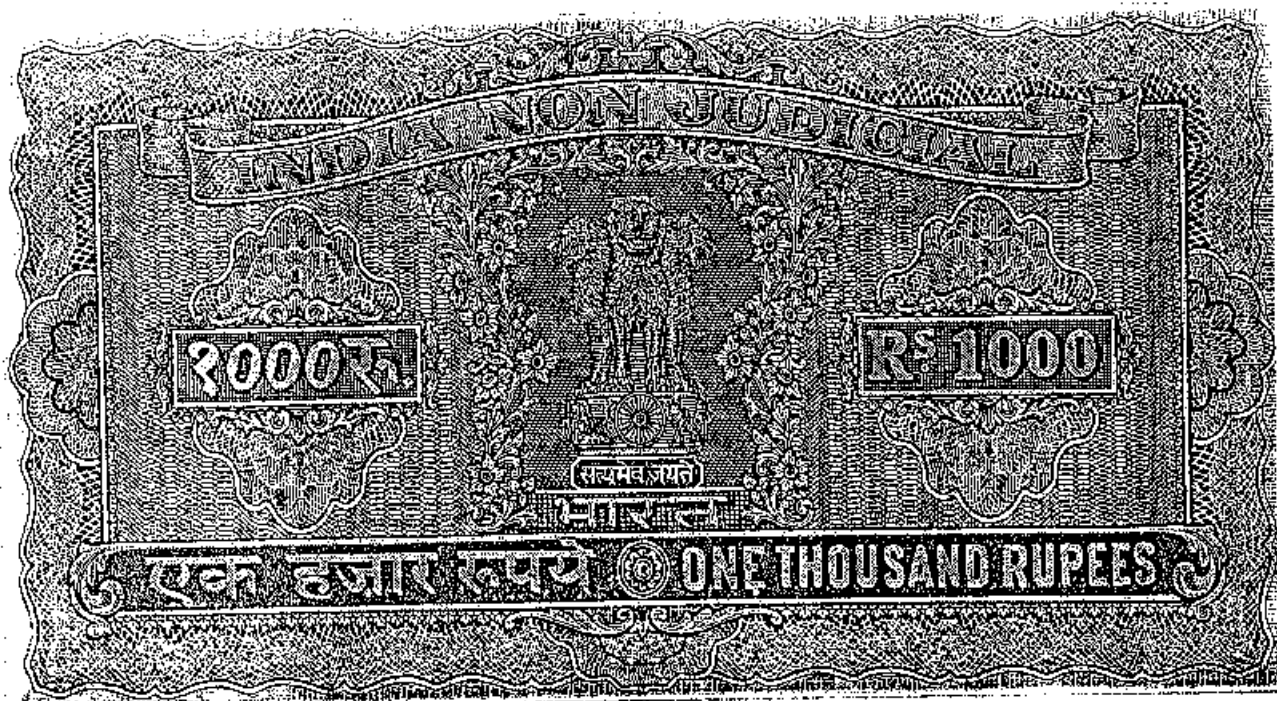


sted
महेश्वर वि.
महेश्वर वि.

Atto
महेश्वर वि.

महेश्वर वि.





नोट:-

:: 3 ::

एन. नं. 1959 की धारा 165 § 6 का उल्लंघन नहीं हुआ 2
अर्थात् जयपुर नगर निगम सीमा के बाहर है 3: विक्रीकृत भूमि सीमा से प्रभावि
नहीं है तथा वास्तविक पट्टा या भूदान से प्राप्त भूमि स्वामी की हक की भूमि नहीं
4: विक्रीकृत भूमि पर कोई वृक्षा नहीं है 5: विक्रीकृत भूमि मंदिर, मस्जिद या सुदाविलो क
भूमि नहीं है तथा रसोईमोहोर से प्रभावित नहीं अधिग्रहित नहीं है ।

तैरिफ - 16.6 : 2003 §

टीप:- इस दस्तावेज में कंट-जंट नहीं है, जो कि हमारे द्वारा प्रमाणित है ।

निष्ठादिन मो. न. 20 - हस्ताक्षर मो. न. 20 2. मो. न. 20

3. म. न. 20 - हस्ताक्षर म. न. 20

टा. नं. नं. -

साक्ष्यकर्ता

म. न. 20
म. न. 20
म. न. 20

नाम म. न. 20 - आ. म. न. 20
जाति म. न. 20 - - - - - ग्राम म. न. 20
नाम - म. न. 20 - आ. म. न. 20
जाति - म. न. 20 - - - - - ग्राम म. न. 20

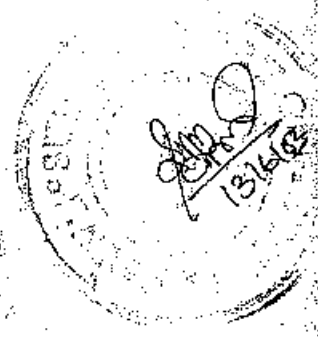
451

16/06/03

1000

मानवगत

रखे जाय ५०



.....
.....
.....
.....
.....
.....

मानवगत

Sumit

.....

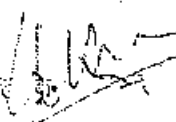
.....

1000Rs.



किश्तिया भा जीवती 45,000/- पैतालीस हजार रु. एवं बाजार भाव रु 68,000/-

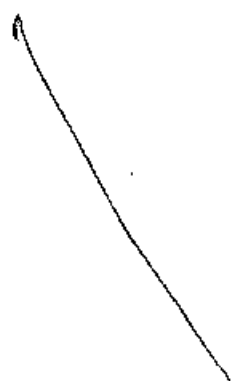
असात हजार रुपये मात्र में सुविधे

हस्ताक्षर 

वि. श्री नूयाम

वि. ०७/१०

महेशलाल



452 16/6/03
1000=00 एक हजार का
चाबुतम

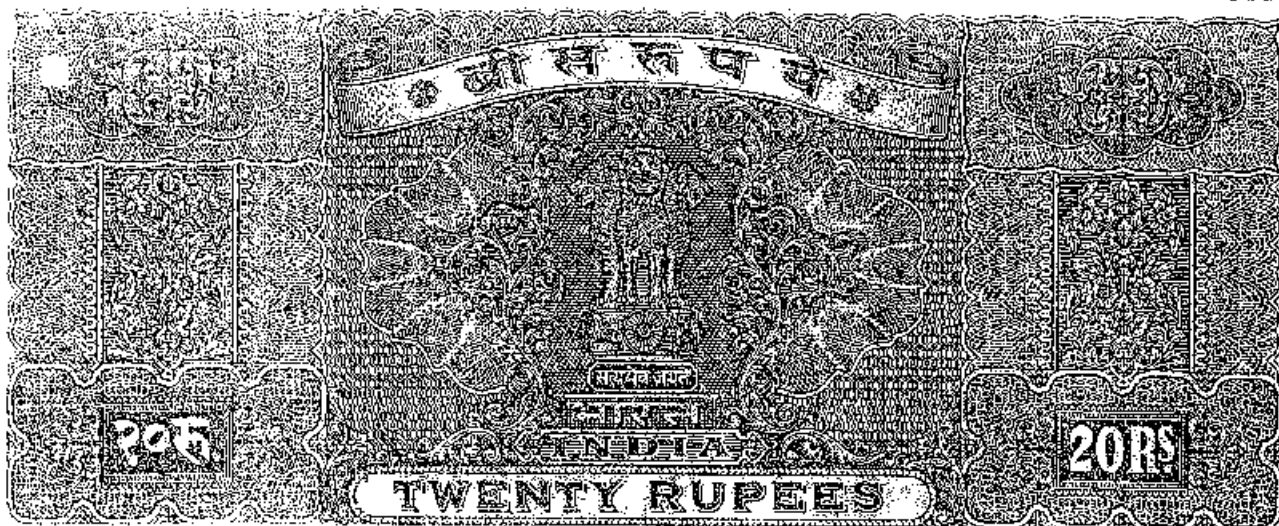


चं विजय देव

Quemda
विजय देव

1000=00

20 Rs.



दिनांक २०/०८/२००८ - दिनांक २०/०८/२००८ - दिनांक २०/०८/२००८ -
दिनांक २०/०८/२००८ - दिनांक २०/०८/२००८ - दिनांक २०/०८/२००८ -

दिनांक २०/०८/२००८

दिनांक २०/०८/२००८

दिनांक २०/०८/२००८

दिनांक २०/०८/२००८

455 16/6/03
SC-CC
विष्णुराम

विष्णुराम

Guam



विष्णुराम

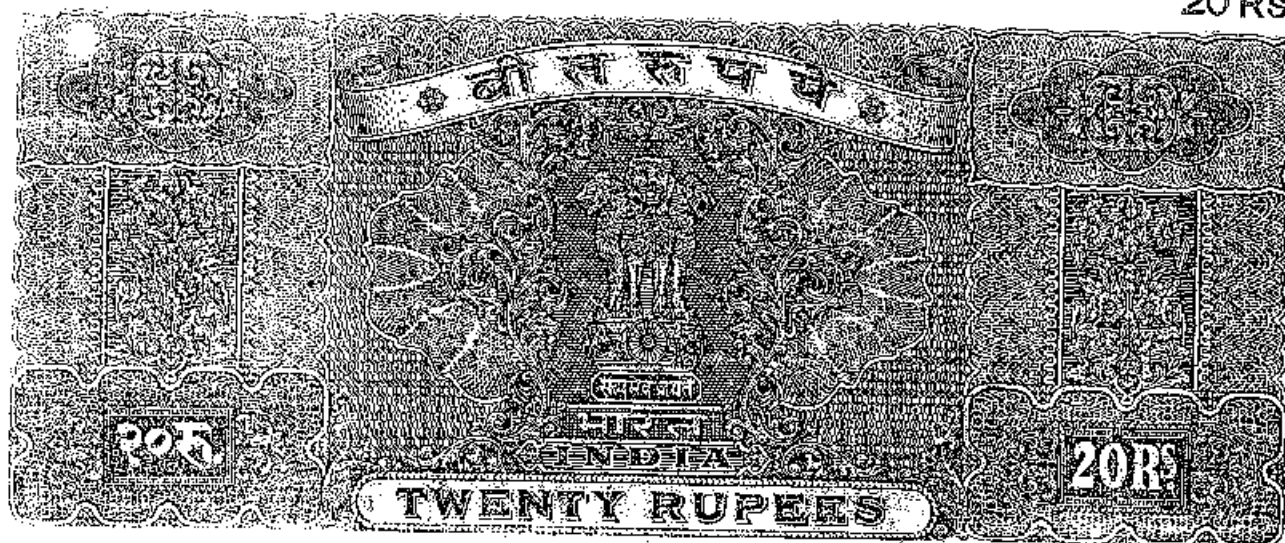
विष्णुराम

विष्णुराम
विष्णुराम
विष्णुराम
विष्णुराम



विष्णुराम
विष्णुराम
विष्णुराम
विष्णुराम

20 Rs.



किताब की कीमत ५५,०००/- तात्कालिक अंतर २०००/- अंतर बचाव खाते में ५३,०००/-
अंतर बचाव खाते में ५३,०००/-

जमात ११/१२/२०११

११/१२/२०११

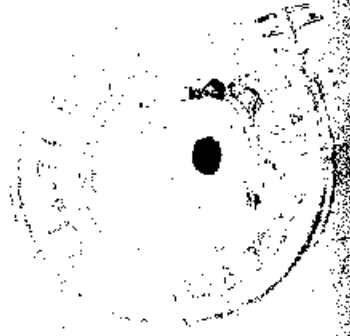
वे. कुराण

महलगाव



456
90=00
असुखम

16/6/03
कीसका



असुखम

Quano

असुखम

इस पत्रिका में बात लिख ली है। यह
पत्रिका का एक पत्रिका है।
को भी लिख ली है।
वही है।

असुखम
असुखम

असुखम

6 JUN 2003

आपका पत्रिका
को पत्रिका का नाम
पत्रिका का नाम
68+70
पत्रिका का नाम

असुखम
असुखम

असुखम

असुखम
असुखम
असुखम
असुखम
असुखम

असुखम